

## भारतमाला चरण-1: समय सीमा बढ़ाई गई

### प्रलिस के लिये:

भारतमाला, आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (CCEA), सार्वजनिक नविश बोर्ड, पूंजीगत व्यय, वस्तु और सेवा कर

### मेन्स के लिये:

भारतमाला परियोजना और भारत के बुनयादी ढाँचे के विकास में इसका योगदान।

[स्रोत: फाइनेंसयिल एक्सप्रेस](#)

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में सरकार ने प्रमुख राजमार्ग विकास परियोजना [भारतमाला परियोजना चरण-1](#) को पूरा करने की समय सीमा सत्र 2027-28 तक बढ़ा दी है।

- यह कदम मेगा परियोजना की अनुमानित लागत में 100% से अधिक की वृद्धि के बाद उठाया गया है और यह कार्यान्वयन की धीमी गति एवं वित्तीय बाधाओं को दर्शाता है।

## भारतमाला परियोजना क्या है?

### परिचय:

- [भारतमाला परियोजना](#) सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (Ministry of Road Transport and Highways) के तहत शुरू किया गया एक व्यापक कार्यक्रम है।
- भारतमाला के प्रथम चरण की घोषणा वर्ष 2017 में की गई थी और इसे वर्ष 2022 तक पूरा किया जाना था।

### प्रमुख विशेषताएँ:

- भारतमाला पहले से निर्मित बुनयादी ढाँचे की बढ़ी हुई प्रभावशीलता, बहुवधि एकीकरण, नरिबाध आवागमन के लिये बुनयादी ढाँचे की कमियों को दूर करने एवं राष्ट्रीय व आर्थिक कॉरिडोर को एकीकृत करने पर केंद्रित है।
- उक्त कार्यक्रम के छह प्रमुख घटक हैं:
  - आर्थिक कॉरिडोर:** आर्थिक कॉरिडोर को एकीकृत करने से आर्थिक रूप से महत्त्वपूर्ण उत्पादन तथा उपभोग केंद्रों के बीच वसित जुड़ाव/कनेक्टिविटी की सुविधा मिलती है।
  - इंटर-कॉरिडोर और फीडर मार्ग:** यह प्रथम मील से अंतिम मील तक की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा।
  - राष्ट्रीय कॉरिडोर दक्षता में सुधार:** इसके माध्यम से मौजूदा राष्ट्रीय कॉरिडोर की क्षमता बढ़ाने और ट्रैफिक जाम को कम करने का लक्ष्य रखा गया है।
  - सीमा और अंतरराष्ट्रीय संपर्क सड़कें:** बेहतर सीमा सड़क बुनयादी ढाँचे से अधिक गतिशीलता सुनिश्चित होगी और साथ ही पड़ोसी देशों के साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा।
  - तटीय व पोर्ट कनेक्टिविटी हेतु सड़कें:** तटीय क्षेत्रों में कनेक्टिविटी के माध्यम से बंदरगाह आधारित आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है, जिससे पर्यटन एवं औद्योगिक विकास दोनों बेहतर होते हैं।
  - ग्रीन-फील्ड एक्सप्रेसवे:** उच्च यातायात सघनता और अधिक जाम वाले स्थान की उपस्थिति वाले एक्सप्रेसवे ग्रीन-फील्ड एक्सप्रेसवे से लाभान्वित होंगे।

### स्थिति:

- नवंबर 2023 तक 15,045 कर्मी यानी 42% प्रोजेक्ट पूरा हो चुका है।

### चुनौतियाँ:

- कच्चे माल की लागत, भूमि अधिग्रहण लागत में वृद्धि, हाई-स्पीड कॉरिडोर का निर्माण और वस्तु एवं सेवा कर दरों में वृद्धि।

## आगे की राह

- **प्रतस्पर्धी कीमतों पर कच्चा माल प्राप्त** करने के लिये रणनीतिक खरीद वधियों की जाँच करना। अनुकूल दरें सुनिश्चित करने के लिये, वशिष्कर बाज़ार में उतार-चढ़ाव के दौरान, आपूर्तिकर्त्ताओं के साथ बातचीत में भाग लेना।
- मुआवज़ा संबंधी विवादों को कम करने के लिये कुशल और **पारदर्शी भूमि अधिग्रहण प्रक्रियाओं को लागू करना**। इस प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिये भूमि अधिग्रहण और सामुदायिक सहभागिता जैसे विकल्पों का पता लगाना।
- हाई-स्पीड कॉरडोर को शामिल करने से पहले संपूर्ण व्यवहार्यता अध्ययन करना। लागत-प्रभावशीलता के साथ कार्यक्षमता को संतुलित करने के लिये गलियारे के डिज़ाइन को अनुकूलित करना।
- अनश्चितताओं को कम करने के लिये **स्थिर और पूर्वानुमानित GST नीतियों की वकालत करना**। कर दर में बदलाव के प्रभाव पर उद्योग को अंतरदृष्टिप्रदान करने के लिये सरकारी अधिकारियों के साथ सामंजस्य स्थापित करना।

## सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

**??????:**

**प्रश्न 1. 'राष्ट्रीय नविश और बुनियादी ढाँचा कोष' के संदर्भ में नमिनलखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? (2017)**

1. यह नीतिआयोग का अंग है।
2. वर्तमान में इसके पास 4,00,000 करोड़ रुपए का कोष है।

**नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:**

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

**उत्तर: (d)**

- राष्ट्रीय नविश और बुनियादी ढाँचा कोष (National Investment and Infrastructure Fund- NIIF) का नयिमन वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के नविश प्रभाग द्वारा कथित है। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- NIIF वर्तमान में तीन फंडों का प्रबंधन कर रहा है जो सेबी विनियमों के तहत वैकल्पिक नविश कोष (Alternative Investment Funds- AIF) के रूप में पंजीकृत हैं। वे तीन फंड- मास्टर फंड, स्ट्रैटेजिक फंड और फंड ऑफ फंड्स हैं, साथ ही NIIF का प्रस्तावित कोष 40,000 करोड़ रुपए है, न कि 4,00,000 करोड़ रुपए। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

**अतः विकल्प (d) सही है।**

**??????:**

**प्रश्न. अधिक तीव्र और समावेशी आर्थिक विकास के लिये बुनियादी अवसंरचना में नविश आवश्यक है।” भारत के अनुभव के आलोक में चर्चा कीजिये। (वर्ष 2021)**